>

Title: Need to allocate funds for providing power saving devices like LED bulbs in rural areas of the country.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर): सभापति महोदया, देश में बिजली की बचत संबंधी अध्ययन से पता चला है कि लेड-लाइट का उपयोग करने से बिजली की बचत में 70 प्रतिशत की कमी हो जाती है। देश में बिजली की मांग बढ़ रही है लेकिन उत्पादन कम हो रहा है। उदाहरण के तौर पर अगर आपको आज 100 यूनिट लग रहा है तो एलईडी लाइट लगाने से 30 यूनिट ही लगेगा। इसलिए एलईडी लाइट का इस्तेमाल करना जरूरी हुआ है। उसके साथ-साथ एलईडी लाइट की क्षमता 50 हजार घंटे चलने की है यानी साढ़े बारह साल तक वह चल सकती है। केन्द्र व राज्य सरकारों ने भी एलईडी लाइट की उपयोगिता को मान्यता दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह तकनीक सही ढंग से उपयोग में लाई गयी तो जनता को राहत मिलने के साथ-साथ बिजली की बचत भी हो जाएगी। वर्ल्ड बैंक देश में विकास के लिए निधि का आबंटन करती है। इसको ग्रामीण क्षेत्रों में लाने हेतु वर्ल्ड बैंक के साथ जुड़कर और उसका 80 प्रतिशत तथा सांसद कोष से 20 प्रतिशत का प्रस्ताव तैयार करके उसे मान्यता प्रदान की जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा बिजली की बचत हो जाएगी। इस प्रस्ताव पर कदम उठाए जाएं, यह मेरी मांग है।

सभापति महोदया : श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री महेन्द्र सिंह चौहाण, प्रो. रामशंकर एवं श्री अशोक अर्गल को श्री दिलीप कुमार गांधी जी द्वारा उठाये गये विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।